085/X/SA2/38/A1

विद्यार्थी उत्तर-पुस्तिका में मुख पृष्ठ पर कोड नं. अवश्य लिखें।

कक्षा - X

हिन्दी

(पाठ्यक्रम - ब)

निर्धारित समय : **3** घंटे] [अधिकतम अंक : **80**

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **10** हैं।
- प्रश्न-पत्र में बाएँ हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **18** प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले उस प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए **15** मिनट का समय दिया गया है।

निर्देश :

(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खंड हैं — **क, ख, ग** और **घ**।

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खंड 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के सही विकल्पों को चुनकर लिखिए- **1x5=5**

मज़दूरी करने से हृदय पवित्र होता है, संकल्प दिव्य लोकांतर में विचरता है। हाथ की मज़दूरी से ही सच्चे ऐश्वर्य की उन्नति होती है। जापान में मैंने ऐसी कलाकार कन्याओं और स्त्रियों को देखा है कि वे रेशम के छोटे-छोटे टुकडों को अपनी दस्तकारी की बदौलत हजारों की कीमत का बना देती है; नाना प्रकार के प्राकृतिक पदार्थों और दृश्यों को अपनी सुई से कपड़े के ऊपर अंकित कर देती हैं। जापान-निवासी कागज, लकड़ी और पत्थर की बड़ी अच्छी मूर्तियाँ बनाते हैं। करोड़ों रुपयों के हाथ के बने हुए जापानी खिलौने विदेशों में बिकते हैं। हाथ की बनी हुई जापानी चीजें मशीन से बनी हुई चीजों की मात करती है। संसार के सब बाजारों में उनकी बड़ी माँग रहती है। पश्चिमी देशों के लोग हाथ की बनी हुई जापान की अद्भुत वस्तुओं पर जान देते हैं। एक जापानी तत्वज्ञानी का कथन है कि हमारी दस करोड उँगलियाँ सारे काम करती हैं। इन्हीं उँगलियों के बल से, संभव है, हम जगत को जीत लें। जब तक धन और ऐश्वर्य की जन्मदात्री हाथ की कारीगरी की उन्नति नहीं होती, तब तक भारतवर्ष ही की क्या, किसी भी देश या जाति की दरिद्रता दूर नहीं हो सकती। यदि भारत की पचास करोड़ नर-नारियों की उँगलियाँ मिलकर कारीगरी के काम करने लगें, तो उनकी मज़दूरी की बदौलत कुबेर का महल उनके चरणों में आप ही आप आ गिरे।

(क) मज़दूरी करने के बारे में कौन-सा कथन सत्य नहीं है?

(1) हृदय पवित्र होता है। (2) सच्चे ऐश्वर्य की उन्नति होती है।

(3) संकल्प क्षीण हो जाता है। (4) दरिद्रता दूर हो जाती है।

(ख) जापान की कलाकारी महिलाएँ क्या करती हैं?

(1) रेशम के टुकड़ों को जोड़ती हैं।

(2) रेशम के टुकड़ों को इकट्ठा करती हैं।

(3) रेशम के टुकड़ों से कपड़े बनाती हैं।

(4) रेशम के टुकड़ों को बहुमूल्य बना देती हैं।

(ग) जापानी लोग विश्व में जाने जाते हैं :

(1) अच्छी मूर्तियाँ बनाने के लिए।

(2) खिलौने बनाने के लिए।

(3) अपनी अद्वितीय कला प्रतिभा के लिए।

(4) उपर्युक्त सभी के लिए।

(घ) किसी भी देश और जाति की दरिद्रता किस प्रकार दूर हो सकती है?

(1) हाथ की कारीगरी की उन्नति करने से।

(2) दस करोड़ उँगलियों से काम करने से।

(3) कल-कारखानों से।

(4) अन्न पैदा करने से।

(ङ) इस गद्यांश को उचित शीर्षक दीजिए :

(1) मेहनत से जड़ बना चेतन (2) हाथ की कारीगरी : उन्नति का मार्ग

(3) हाथ का कमाल (4) दस करोड़ उँगलियों का कमाल

2. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तरों वाले विकल्प चुनकर लिखिए -** **1x5=5**

छात्र राष्ट्र की सम्पत्ति हैं देश की उन्नति उन्हीं पर निर्भर है इसलिए उन्हें देश का कर्णधार कहा गया है। छात्र-जीवन में कुछ कर डालने की जो बलवती इच्छा होती है, वही उनमें जोश भरती रहती है। इस जोश को कम करने के लिए अनुभव अर्थात प्रौढ़ और वृद्धों की आवश्यकता होती है। देश के जितने भी महान नेता अथवा धार्मिक पुरुष हुए हैं, वे सब अपनी छात्र-अवस्था में ही बन गए थे। छात्रों में सामर्थ्य होता है। यदि उनका उचित मार्ग-दर्शन कर दिया जाए तो वे निश्चय ही अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लेते हैं। माता जीजाबाई के उपदेशों का फल था कि साधनहीन शिवाजी ने देखते-देखते एक साम्राज्य का निर्माण कर डाला। महाराणा प्रताप ने अकबर की महानता को स्वीकार न किया। गुरु गोविंद सिंह ने खालसा पंथ की नींव डाली। महात्मा गाँधी और जवाहरलाल नेहरू भी इसी अवस्था में देश-सेवा में जुट गए थे। इतिहास इस बात का गवाह है कि छात्रों की शक्ति अनंत होती है और वे असंभव को संभव कर डालते हैं। आज म्याँमार में छात्र ही तो वे आंदोलन चला रहे हैं, जिनके कारण अब तक तीन राष्ट्राध्यक्ष बदले जा चुके हैं। सैनिक शासकों के खिलाफ उन लोगों ने गुरिल्ला युद्ध किया है। उनके कार्यों से सरकारी दावे झूठे पड़ते जा रहे हैं।

(क) विद्यार्थियों को देश का कर्णधार कहा गया है, क्योंकि :

(1) इच्छाशक्ति और जोश से भरे होते हैं।

(2) वे क्रांति करने में समर्थ होते हैं।

(3) उनके पास संपत्ति होती है।

(4) वे समाज सेवक होते हैं।

(ख) छात्रों को बड़ों की आवश्यकता क्यों होती है?

(1) क्रांति के लिए (2) मार्ग निर्देशन के लिए

(3) जोश दिलाने के लिए (4) अनुभव के लिए

(ग) म्याँमार का उदाहरण क्यों दिया गया है :

(1) पड़ोसी देश होने के कारण (2) प्रभावी छात्र आंदोलन के कारण

(3) गुरिल्ला युद्ध के कारण (4) सैनिक शासन के कारण

(घ) 'साधनहीन' का अर्थ है :

(1) साध (इच्छा) ही न होना। (2) साधना से हीन होना

(3) साधन न होना (4) धनहीन होना

(ङ) इस गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है :

(1) छात्र राष्ट्र की संपत्ति (2) छात्र राष्ट्र का नेता

(3) छात्र देश की दृष्टि (4) छात्र देश की शान

3. **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तरों वाले विकल्प चुनकर लिखिए।** **1x5=5**

मैं ढूँढता तुझे था जब कुंज और वन में,
तू खोजता मुझे था तब दीन के वतन में।

तू आह बन किसीकी, मुझको पुकारता था,
मैं था तुझे बुलाता संगीत में, भजन में।

मेरे लिए खड़ा था दुखियों के द्वार पर तू,
मैं बाट जोहता था तेरी किसी चमन में।

बनकर किसी के आँसू मेरे लिए बहा तू,
आँखें लगी थी मेरी तब मान और धन में।

बेबस गिरे हुओं के तू बीच में खड़ा था,
मैं स्वर्ग देखता था झुकता कहाँ चरन में।

तूने दिए अनेकों अवसर, न मिल सका मैं,
तू कर्म में मग्न था, मैं व्यस्त था कथन में।

कैसे तुझे मिलूँगा, जब भीड़ इस कदर है,
हैरान होके भगवान, आया हूँ अब सरन में।

(क) ''तू कर्म में मग्न था, मैं व्यस्त था कथन में'' इस पंक्ति में ''मैं'' और ''तू'' का संबोधन किसके लिए है?

(1) कवि और ईश्वर (2) कवि और मनुष्य
(3) वन और मनुष्य (4) ऊँच और नीच

(ख) कवि ईश्वर को किस प्रकार बुलाता है?

(1) संगीत और भजन के सहारे (2) किसीकी आह बनकर
(3) धूप और दीप चढ़ाकर (4) दुखियों के द्वार पर खड़े होकर

(ग) ईश्वर को कहाँ ढूँढ़ा जाना चाहिए :

(1) मंदिर-मस्ज़िद में (2) दुखियों और बेबस लोगों के बीच
(3) भजन और सत्संग में (4) सुंदर कुंज और वनों के बीच

(घ) काव्यांश का उपर्युक्त शीर्षक होगा :

(1) दीनदयालु ईश्वर (2) कैसे तुझे मिलूँ
(3) स्वर्ग का देवता (4) आया तेरी शरण में

(ङ) अनेक अवसर मिलने पर भी कवि ईश्वर से क्यों न मिल सका :

(1) पता मालूम नहीं था। (2) भक्ति में कमी थी।
(3) वह उचित स्थान को पहचान ही नहीं पाया। (4) मिलने की इच्छा ही नहीं थी।

4. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तरों वाले विकल्प चुनकर लिखिए - 1x5=5

बंधन छोड़ आज उठ जाओ,
विहग मुक्ति का गाना गाओ।

अपनी ही इच्छा से हम-तुम,
मुक्त और बंदी बन जाते,
अपने ही सुख-दुख में भूले
नित्य स्वप्न के महल बनाते,
अश्रु बिखेर चुके तुम अपने
अब पल भर मुसकाओ।

सागर की गर्जन देखी,
देखा निर्झर का बहना।

मध्य निशा में देखा झिलमिल
तारों का कुछ कहना।
तुम भी अपने मधुर कंठ से -
जीवन गीत सुनाओ।

आकुल कर देती है मुझको
यह पथ की दुर्बलता,
घेरे रहती है प्राणों को
मेरे मन की ममता,
दैन्य, निराशा दूर हटा-
तुम सुख के भाव जगाओ।

(क) कविता किसे संबोधित है?

(1) पक्षी को (2) कवि को

(3) मन रूपी विहग को (4) देशवासियों को

(ख) कवि क्या चाहता है?

(1) मुक्ति के गीत गाना (2) बंधनों की निंदा करना

(3) नई कविता लिखना (4) अपने सुख-दुख में भूला रहना

(ग) कवि ने मध्य रात्रि में क्या देखा?

(1) तारों का कुछ कहना (2) तारों का बिखरना

(3) सागर की गर्जना (4) निर्झर का बहना

(घ) कवि विहग से अश्रु बहाने के बाद क्या करने को कहा है?

(1) कभी मत मुसकाना (2) कभी दुखी मत होना

(3) पल भर मुसकाना (4) गाकर उड़ जाना

(ङ) कवि के प्राणों को क्या घेरे रहती है?

(1) मन की ममता (2) पथ की दुर्बलता

(3) दैन्य और निराशा की भावना (4) तारों की प्रेरणा

खंड 'ख'

5. (क) वाक्य में प्रयुक्त होने पर शब्द बन जाता है। **1**

(1) समास (2) संधि (3) तत्सम (4) पद

(ख) <u>शेर की तरह दहाड़कर लड़नेवाले वीर ने</u> दुश्मनों के छक्के छुड़ा दिए। रेखांकित पदबन्ध का नाम छाँटिए। **1**

(1) क्रिया पदबन्ध (2) संज्ञा पदबन्ध

(3) सर्वनाम पदबन्ध (4) विशेषण पदबन्ध

(ग) क्रिया पदबन्ध छाँटकर लिखिए :

वामीरो भागती ही चली गई। **1**

(1) भागती ही चली गई। (2) वामीरो चली गई।

(3) चली गई। (4) भागती ही गई।

(घ) मोहन <u>पाँचवीं</u> कक्षा में पढ़ता है। रेखांकित का पद-परिचय छाँटिए। **1**

(1) विशेषण, अनिश्चित संख्यावाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन

(2) विशेषण, निश्चित संख्यावाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन

(3) विशेषण, गुणवाचक, पुल्लिंग, एकवचन

(4) विशेषण, परिमाणवाचक, पुल्लिंग, बहुवचन

6. (क) सूर्योदय हुआ और चिड़ियाँ चहचहाने लगीं। वाक्य का भेद है : **1**

(1) मिश्र वाक्य (2) सरल वाक्य

(3) संयुक्त वाक्य (4) साधारण वाक्य

(ख) मेरे पास गोदान है। इसे प्रेमचंद ने लिखा है। वाक्यों का उचित सरल वाक्य है : **1**

(1) मेरे पास गोदान है जिसे प्रेमचंद ने लिखा है।

(2) मेरे पास गोदान है और उसे प्रेमचंद ने लिखा है।

(3) गोदान मेरे पास है क्योंकि वह प्रेमचंद का है।

(4) प्रेमचंद का लिखा हुआ गोदान मेरे पास है।

(ग) संयुक्त वाक्य छाँटिए : **1**

(1) जो उस गाँव में रहते हैं, धनी हैं।

(2) उस गाँव में रहनेवाले धनी होते हैं।

(3) वे गाँव में रहते हैं और बड़े धनी होते हैं।

(4) जो गाँव में रहते हैं वे बड़े धनी होते हैं।

(घ) मिश्र वाक्य छाँटिए : **1**

(1) मैं बैंक गया और अपने खाते से पैसे निकाल लाया।

(2) जब मैं बैंक गया तो अपने खाते से पैसे निकाल लाया।

(3) मैं बैंक जाकर अपने खाते से पैसे निकाल कर लाया।

(4) मैं बैंक गया और अपने खाते से पैसे निकाल कर लाया।

7. (क) ''पर्यावरण'' का सन्धि-विच्छेद छाँटिए : 1

(1) परि + आवरण (2) पर्य + आवरण

(3) पर्य + अवरण (4) परि + अवरण

(ख) सोमेश्वर का संधि विच्छेद है : 1

(1) सोमे + श्वर (2) सोमा + ईश्वर

(3) सोम + इश्वर (4) सोम + ईश्वर

(ग) 'विदया रूपी धन' का समस्त पद है : 1

(1) विद्याधन (2) विद्यधन (3) धनविद्या (4) विद्याधनी

(घ) तत्पुरुष समास का उदाहरण है : 1

(1) चारपाई (2) पथभ्रष्ट (3) नीलगगन (4) चँद्रमुख

8. (क) अपने मित्रों में अचानक हुई लड़ाई को देखकर वह __________ रह गया। 1

(1) घर से बेघर करना (2) आवाज उठाना

(3) चेहरा मुरझाना (4) हक्का-बक्का रह जाना

(ख) ''मार देना'' के लिए सही मुहावरा है : 1

(1) सजग रहना (2) कामतमाम कर देना

(3) बाट जोहना (4) मिट्टी में मिलाना

(ग) ''जिसकी लाठी उसकी भैंस'' लोकोक्ति का अर्थ छाँटिए : 1

(1) लाठीवाले की भैंस होती है। (2) लाठी मारनी ही पड़ती है।

(3) ताकतवर की विजय होती है। (4) कमजोर लाठी का सहारा लेता है।

(घ) पाकिस्तान ने कारगिल में घुसपैठ करके मानो कह दिया __________। उपयुक्त लोकोक्ति से पूरा कीजिए। 1

(1) अपना हाथ जगन्नाथ (2) आबैल मुझे मार

(3) सौ सुनार की एक लोहार की (4) न नौ मन तेल होगा न राधा नाचेगी

9. (क) निम्नलिखित में से शुद्ध वाक्य छाँटिए : 1

(1) आप अभी चले जाओ। (2) मेरे को तुम बहुत अच्छे लगते हो।

(3) मैंने अभी जाना है। (4) तुम कब आओगी ?

(ख) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य छाँटिए : 1

(1) सुभाषचन्द्र बोस का देश ऋणी है।

(2) देश सुभाष चंद्र बोस का ऋणी है।

(3) कृपया सुभाष चंद्र बोस की जयंती में पधारने की कृपा कीजिए।

(4) तुम तुम्हारे देश से कितना प्यार करते हो ?

(ग) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य छाँटिए : 1

(1) हम सोच-समझकर काम किए हैं। (2) हम सोच-समझकर काम कर दिया।

(3) हमने सोच-समझकर काम किया। (4) अपन सोच-समझकर काम करते हैं।

(घ) निम्नलिखित में अशुद्ध वाक्य छाँटिए : 1

(1) यहाँ परिश्रमी और मेहनती लोग रहते हैं।

(2) मुझे गीतों की एक पुस्तक दीजिए।

(3) प्रयत्न से ही सफलता मिलती है।

(4) बच्चों में सच बोलने की आदत डालनी चाहिए।

खंड 'ग'

10. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही उत्तरों वाले विकल्प छाँटिए - **5**

"मनुष्य मात्र बंधु है" यही बड़ा विवेक है,
पुराणपुरुष स्वयंभू पिता प्रसिद्ध एक है
फलानुसार कर्म के अवश्य बाह्य भेद है,
परंतु अंतरैक्य में प्रमाणभूत वेद है
अनर्थ है कि बंधु ही बंधु की व्यथा हरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।

(क) सबसे बड़ा विवेक क्या है? **1**

(1) सभी मनुष्यों को बंधु मानना (2) मनुष्य को मरणशील मानना
(3) देश को सर्वस्व समर्पण (4) मनुष्य को सामाजिक प्राणी मानना

(ख) हमें किसके अनुसार फल मिलता है? **1**

(1) ईश्वर की मर्जी के अनुसार (2) भाग्य के अनुसार
(3) अपने कर्मों के अनुसार (4) कठोर परिश्रम के अनुसार

(ग) वेद किस बात का प्रमाण देते है : **1**

(1) प्रत्येक मनुष्य भिन्न है। (2) भीतर से सब मनुष्य एक जैसे होते हैं।
(3) भारतीय संस्कृति महान है। (4) ईश्वर एक है।

(घ) सबसे बड़ा अनर्थ है : **1**

(1) बंधु ही बंधु की व्यथा बढ़ाता है।
(2) बंधु ही बंधु की व्यथा दूर करता है।
(3) बंधु ही बंधु की व्यथा दूर नहीं करता।
(4) बंधु ही बंधु की व्यथा को कम करता है।

(ङ) वास्तव में मनुष्य कौन है? **1**

(1) जो दूसरों को मारता है। (2) जो दूसरों का हक छीनता है।
(3) जो दूसरों के लिए गड्ढा खोदता है। (4) जो दूसरों के लिए मरता है।

अथवा

सौरभ फैला विपुल धूप बन,
मृदुल मोम-सा घुल रे मृदु तन;
दे प्रकाश का सिंधु अपरिमित,
तेरे जीवन का अणु गल-गल!
पुलक-पुलक मेरे दीपक जल!

(क) प्रस्तुत काव्यांश की कवयित्री हैं : **1**

(1) सुभद्रा कुमारी चौहान (2) मीराबाई
(3) महादेवी वर्मा (4) उपर्युक्त में कोई नहीं

(ख) ''सौरभ फैला विपुल धूप बन''-इस पंक्ति में किसे संबोधित किया गया है? **1**

(1) प्रकाश (2) अंधकार (3) चाँदनी (4) दीपक

(ग) दीपक को किसकी तरह से गलने के लिए कहा गया है? **1**

(1) पानी - सा (2) दूध - सा

(3) धूप - सा (4) मोम - सा

(घ) कवयित्री ने दीपक को किस तरह से जलने के लिए कहा है? **1**

(1) उछल-उछलकर (2) पुलक-पुलक्कर

(3) गा-गाकर (4) गल-गलकर

(ङ) ''तेरे जीवन का अणु गल-गल''-यह पंक्ति किस संदर्भ में कही गई है? **1**

(1) परोपकार (2) अपकार (3) कल्याण (4) सत्कार

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्हीं दो प्रश्नों** के उत्तर पठित पाठों के आधार पर लिखिए : **2½+2½=5**

(क) येल्दीरीन कौन था? उसने ख्यूक्रिन को दोषी ठहराते हुए क्या कहा?

(ख) प्रकृति में आए असंतुलन का क्या परिणाम हुआ?

(ग) चाय पीने के बाद लेखक ने स्वयं में क्या परिवर्तन महसूस किया?

(घ) सवार के जाने के बाद कर्नल क्यों हक्का-बक्का रह गया?

12. बढ़ती हुई आबादी का पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ा है? **5**

अथवा

क्या 'गिरगिट' कहानी का शीर्षक उचित है? अपने मत के समर्थन में तर्क दीजिए।

13. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

जापान में मैंने अपने एक मित्र से पूछा, ''यहाँ के लोगों को कौन-सी बीमारियाँ अधिक होती हैं? ''मानसिक'', उन्होंने जवाब दिया, ''यहाँ के अस्सी फीसदी लोग मनोरुग्ण हैं''

''इसकी क्या वजह है?

कहने लगे, ''हमारे जीवन की रफ़्तार बढ़ गई है। यहाँ कोई चलता नहीं, बल्कि दौड़ता है।

कोई बोलता नहीं, बकता है। हम जब अकेले पड़ते हैं, तब अपने आसपास लगातार बड़बड़ातें रहते हैं ... अमेरिका से हम प्रतिस्पर्धा करने लगे। एक महीने में पूरा होनेवाला काम एक दिन में ही पूरा करने की कोशिश करने लगे। वैसे भी दिमाग की रफ्तार हमेशा तेज ही रहती है। उसे ''स्पीड'' का इंजन लगाने पर वह हजार गुना अधिक रफ्तार से दौड़ने लगता है फिर एक क्षण ऐसा आता है, जब दिमाग का तनाव बढ़ जाता है और पूरा इंजन टूट जाता है..... यही कारण है, जिससे मानसिक रोग यहाँ बढ़ गए हैं ....''

(क) पाठ और लेखक का नाम बताइए। **1**

(ख) मानसिक रोग बढ़ने के कौन-से कारण बताए गए हैं? **2**

(ग) 'स्पीड का इंजन' लगाने से क्या तात्पर्य है? **2**

अथवा

"तुम सही कहते हो। जनरल साहब के सभी कुत्ते महँगे और अच्छी नस्ल के हैं, और यह जरा इस पर नजर दौड़ाओ। कितना भद्दा और मरियल-सा पिल्ला है। कोई सभ्य आदमी ऐसा कुत्ता काहे को पालेगा? तुम लोगों का दिमाग खराब तो नहीं हो गया है। यदि इस तरह का कुत्ता मास्को या पीटर्सवर्ग में दिख जाता, तो मालूम है क्या हश्र होता? तब कानून की परवाह किए बिना इसकी छुट्टी कर दी जाती। तुझे इसने काट खाया है, तो प्यारे एक बात गाँठ बाँध ले, इसे ऐसे मत छोड़ देना। इसे हर हाल में मजा चखवाया जाना जरूरी है।"

(क) पाठ और लेखक का नाम लिखिए। **1**

(ख) यह किसका कथन है? कुत्ते के बारे में उसकी क्या राय है? **2**

(ग) ओचुमेलाव ने ख्यूक्रिन को क्या समझाया? **2**

14. (क) आशय स्पष्ट कीजिए-"कहिहै सबु तेरौ हियौ, मेरे हिय की बात"? **2**

(ख) "कर चले हम फिदा" कविता में धरती को दुल्हन क्यों कहा गया है? **1**

(ग) "आत्मत्राण" कविता से आपको क्या प्रेरणा मिलती है? **2**

15. पाठ में वर्णित घटनाओं के आधार पर पीटी सर की किन्हीं तीन चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। **3**

अथवा

एक ही कक्षा में दो-दो बार बैठने से टोपी को किन भावनात्मक चुनौतियों को सामना करना पड़ा?

16. "अम्मी" शब्द पर टोपी के घरवालों की क्या प्रतिक्रिया हुई? **2**

खंड 'घ'

17. दिए गए संकेत - बिंदुओं के आधार पर किसी एक विषय पर 80 - 100 शब्दों का अनुच्छेद लिखिए। **5**

मेरा प्रिय खेल

- खेल का नाम, क्यों प्रिय है
- खेल की विशेषताएँ
- मेरी उपलब्धियाँ

अपना हाथ जगन्नाथ

- आशय
- आत्मनिर्भरता के लाभ
- अपना काम स्वयं करने का आनंद

आज की बचत, कल का सुख

- बचत का अर्थ
- बचत का महत्व
- सुखमय भविष्य

18. **पत्र लेखन :**

राजनीति में बढ़ते भ्रष्टाचार पर अपने विचार प्रकट करते हुए किसी दैनिक पत्रिका के संपादक को पत्र लिखिए। **5**

अथवा

नवीन शर्मा, दसवीं कक्षा, गाँधी पाठशाला की ओर से उसके विद्यालय के प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए, जिसमें ग्यारहवीं कक्षा में विज्ञान विषय देने का अनुरोध किया गया हो।

- o O o -